रेजॉयस लर्निंग सेंटर
अमेरिका, पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, कांगो
केन्या तंजानिया युगांडा बुरुंडी बेनिन

पाठ 13: अंतिम समय भाग 3:

2रा यीशु का आगमन, सात कटोरे, 1000 वर्ष का शासन, गोग और मागोग, श्वेत सिंहासन का न्याय, नया स्वर्ग और पृथ्वी

आज, हम अन्त समय की समीक्षा जारी रखते हैं:

- 1. 2रा यीशु का आगमन
- 2. परमेश्वर के क्रोध के 7 कटोरे
- 3. आर्मागेडन की लड़ाई
- 4. यीशु का 1000 साल का शासनकाल
- 5. शैतान रिहा - गोग और मागोग की लड़ाई
- 6. महान श्वेत सिंहासन न्याय
- 7. नया स्वर्ग और नई पृथ्वी

1. यीशु मसीह का दूसरा आगमन

यीशु कब वापस आयेंगे?

मत्ती 24:36 कोई भी उस दिन या उस घड़ी को नहीं जानता

36"उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के दूत, परन्तु केवल पिता।37परन्तु
जैसे नूह के दिन थे, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा।38क्योंकि जैसे जल-प्रलय से पहले के
दिनों में, उस दिन तक, जब तक नूह जहाज पर न चढ़ा, लोग खाते-पीते थे, और उनमें विवाह होते
थे।39और जब तक जल-प्रलय आकर उन सब को बहा न ले गया, तब तक उन को कुछ भी पता न
चला, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा।40तब दो आदमी खेत में होंगे: एक ले लिया जाएगा
और दूसरा छोड़ दिया जाएगा।41दो महिलाएं चक्की पीस रही होंगी: एक को ले लिया जाएगा और

दूसरी को छोड़ दिया जाएगा।[42]इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस घड़ी आएगा।[43]परन्तु यह जान लो कि यदि घर का स्वामी जानता होता कि चोर किस घड़ी आएगा, तो जागता रहता, और अपने घर में सेंध लगने न देता।[44]इसलिये तुम भी तैयार रहो, क्योंकि मनुष्य का पुत्र उस घड़ी आएगा, जिसकी तुम आशा भी नहीं करते।

2. थिस्सलुनीकियों 2:1-4 जब लोग विश्वास से भटक जाते हैं, और मसीह विरोधी स्वयं को आराधना के योग्य बना लेता है

अब हे भाइयो, हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने और हमारे उसके पास इकट्ठे होने के विषय में हम तुम से बिनती करते हैं,[2]कि हम न तो आत्मा से, न वचन से, न पत्री से, मानो हमारी ओर से हों, मानो मसीह का दिन आ पहुँचा हो, और न मन में शीघ्रता से विचलित हों।[3]किसी को भी ऐसा न करने दें

किसी भी तरह से आपको धोखा न दें; क्योंकि*वह दिन नहीं आएगा*जब तक कि पहले पाप का पतन न हो जाए, और पाप का मनुष्य, विनाश का पुत्र, प्रकट न हो जाए,[4]जो उन सब का विरोध करता है और अपने आप को उन सब से ऊपर रखता है जिन्हें परमेश्वर कहा जाता है या जिनकी पूजा की जाती है, यहां तक कि वह परमेश्वर के मंदिर में परमेश्वर के रूप में बैठता है, और अपने आप को दिखाता है कि वह परमेश्वर है।

मत्ती 24:15-22 जब मसीह विरोधी उपासना के लिये मन्दिर में खड़ा हो गया

[15]"इसलिये जब तुम उस उजाड़ने वाली घृणित वस्तु को, जिसकी चर्चा दानिय्येल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी, पवित्र स्थान में खड़ी हुई देखो" (जो कोई पढ़े, वह समझे),[16]"तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएँ।[17]जो कोठे पर हो, वह अपने घर से कुछ लेने नीचे न उतरे।[18]और जो खेत में हो, वह अपना कपड़ा लेने के लिये पीछे न जाए।[19]परन्तु उन दिनों में जो गर्भवती होंगी और जो दूध पिलाती होंगी, उनके लिये हाय![20]और प्रार्थना करें कि आपकी उड़ान सर्दियों में या सब्त के दिन न हो।[21]क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरम्भ से न अब तक हुआ, और न कभी होगा।[22]और यदि वे दिन घटाए न जाते, तो कोई प्राणी न बचता; परन्तु चुने हुओं के कारण वे दिन घटाए जाएंगे।

मत्ती 24:29-31 महाक्लेश के बाद

[29]"उन दिनों के क्लेश के तुरन्त बाद सूर्य अन्धियारा हो जाएगा, और चन्द्रमा अपना प्रकाश नहीं देगा; तारे आकाश से गिर पड़ेंगे, और आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी।[30]तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे, और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।[31]और वह अपने दूतों को तुरही की बड़ी ध्वनि के साथ भेजेगा, और वे आकाश के एक छोर से दूसरे छोर तक, चारों

दिशाओं से उसके चुने हुए लोगों को इकट्ठा करेंगे।

प्रकाशितवाक्य 11:7-8 मसीह विरोधी द्वारा दो गवाहों (कलीसिया और 144000 इस्राएलियों) को मार डालने के बाद

7जब वे अपनी गवाही समाप्त कर लेंगे, तो वह पशु जो अथाह गड्ढे से ऊपर आएगा, उनके विरुद्ध युद्ध करेगा, उन पर विजय प्राप्त करेगा, और उन्हें मार डालेगा।8और उनके शव*झूठ बोलेंगे*उस बड़े नगर की सड़क पर जो आत्मिक रूप से सदोम और मिस्र कहलाता है, जहां हमारे प्रभु को भी क्रूस पर चढ़ाया गया था।

प्रकाशितवाक्य 11:11-14 दो गवाहों (144,000 इस्राएली और कलीसिया) के बादल में ऊपर चढ़ने के बाद

11 साढ़े तीन दिन के बाद परमेश्वर की ओर से जीवन का श्वास उनमें समाया, और वे अपने पांवों पर खड़े हो गए; और उन्हें देखने वालों पर बड़ा भय छा गया।12और उन्होंने स्वर्ग से एक ऊँची आवाज़ सुनी जो उनसे कह रही थी, "यहाँ ऊपर आओ।" और वे बादल पर सवार होकर स्वर्ग पर चढ़ गए, और उनके शत्रुओं ने उन्हें देखा।13उसी घड़ी एक बड़ा भुईंडोल हुआ, और नगर का दसवाँ भाग गिर पड़ा। भुईंडोल में सात हज़ार मनुष्य मारे गए, और बाकी लोग डर गए और स्वर्ग के परमेश्वर की स्तुति करने लगे।14दूसरी विपत्ति बीत चुकी है, देखो, तीसरी विपत्ति शीघ्र आने वाली है।

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

प्रकाशितवाक्य 11:15-19 सातवीं तुरही पर

15**फिर सातवें स्वर्गदूत ने तुरही बजाई**: और स्वर्ग में बड़े बड़े शब्द होने लगे, जो कह रहे थे, "इस जगत का राज्य मेरे हाथ में आ गया है।"***राज्यों*हमारे प्रभु के**और उसके मसीह का, और वह युगानुयुग राज्य करेगा!"16और चौबीसों प्राचीन जो परमेश्वर के सामने अपने सिंहासनों पर बैठे थे, मुंह के बल गिरकर परमेश्वर को दण्डवत् किया।17कहते हुए: "हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, हम आपको धन्यवाद देते हैं,

वह जो है, जो था और जो आने वाला है,

क्योंकि तूने अपनी महान शक्ति का उपयोग करके राज्य किया है।

18राष्ट्र क्रोधित थे, और आपका क्रोध आया है,

और मरे हुओं का न्याय करने का समय आ गया है,

और तू अपने दासों भविष्यद्वक्ताओं और पवित्र लोगों को, और उन छोटे बड़े को

जो तेरे नाम का भय मानते हैं, प्रतिफल दे।

और पृथ्वी को नष्ट करने वालों को नष्ट कर देना चाहिए।”
[19]तब स्वर्ग में परमेश्वर का मन्दिर खोला गया, और उसके मन्दिर में उसकी वाचा का सन्दूक दिखाई दिया।**और बिजलियाँ चमकने लगीं, शोरगुल होने लगा, गर्जन होने लगी, भूकम्प आने लगा, और बड़े-बड़े ओले गिरने लगे।**

1 कुरिन्थियों 15:51-52 अन्तिम तुरही के समय
[51]देखो, मैं तुम से एक रहस्य की बात कहता हूं: हम सब तो नहीं सोएंगे, परन्तु हम सब बदल जाएंगे–
[52]एक पल में, पलक झपकते ही,**आखिरी तुरही**क्योंकि तुरही बजेगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे।

1 थिस्सलुनीकियों 4:15-17 परमेश्वर की तुरही की ध्वनि पर
[15]प्रभु के वचन के अनुसार, हम तुमसे कहते हैं कि हम जो अभी जीवित हैं, और प्रभु के आने तक बचे रहेंगे, निश्चित रूप से उनसे आगे नहीं बढ़ेंगे जो सो गए हैं।[16]क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय बड़ी आज्ञा, और प्रधान स्वर्गदूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे।[17]उसके बाद, हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे ताकि हवा में प्रभु से मिलें। और इस प्रकार हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।

यीशु के आने से पहले बहुत संकट का समय होगा

लूका 21:25-28[25]और वहाँ होगा**सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी में चिन्ह हों। तारे; और पृथ्वी पर राष्ट्रों का संकट**, उलझन के साथ;**समुद्र और लहरें गरजती हुई;**[26]डर के मारे और उन चीजों की चिंता में लोगों का दिल बैठ जाता है जो पृथ्वी पर आ रहे हैं: क्योंकि**स्वर्ग की शक्तियां हिल जाएंगी।**[27]और तब वे मनुष्य के पुत्र को सामर्थ्य और बड़ी महिमा के साथ बादल पर आते देखेंगे।[28]और जब ये बातें घटित होने लगती हैं,**फिर ऊपर देखो और अपने सिर ऊपर उठाओ; क्योंकि तुम्हारे मुक्ति निकट आ रही है।**

योएल 2:28-32 खून और आग और धुआं होगा और सूरज अंधकारमय हो जाएगा और चंद्रमा खून हो जाएगा

और मैं आकाश में और पृथ्वी पर चमत्कार, अर्थात् लहू, आग और धुएँ के खम्भे दिखाऊँगा। प्रभु के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, सूर्य अंधकारमय हो जाएगा और चंद्रमा रक्त सा हो जाएगा। और ऐसा होगा कि जो कोई पुकारेगा,

जो यहोवा के नाम पर हैं, वे बच जाएँगे। क्योंकि सिय्योन पर्वत और यरूशलेम में कुछ लोग बचेंगे, जैसा कि यहोवा ने कहा है, और जो बचेंगे उनमें वे भी होंगे जिन्हें यहोवा बुलाएगा।

दानिय्येल 12:1 संकट का ऐसा समय जैसा पहले कभी नहीं था

उस समय बड़ा राजकुमार मीकाएल जो तुम्हारे लोगों का अधिकारी है, उठेगा। और वहाँए संकट का ऐसा समय आएगा, जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से लेकर अब तक कभी नहीं आया। परन्तु उस समय तेरे लोगों में से जितनों के नाम पुस्तक में लिखे हुए होंगे, वे सब बच निकलेंगे।

प्रकाशितवाक्य 9:13-21 (6वां तुरही) - एक तिहाई मानव जाति आग, धुएं और गंधक से मर गई

13छठे स्वर्गदूत ने अपनी तुरही फूँकी, और मैंने परमेश्वर के सामने रखी सोने की वेदी के चार सींगों से एक आवाज़ आती सुनी।14उसने छठे स्वर्गदूत से, जिसके पास तुरही थी, कहा, "उन चार स्वर्गदूतों को छोड़ दो जो महानदी फरात के पास बंधे हुए हैं।"15**और वे चार स्वर्गदूत जिन्हें इसी घड़ी, इसी दिन, इसी महीने और इसी वर्ष के लिए तैयार रखा गया था, एक तिहाई मानवजाति को मार डालने के लिए छोड़ दिए गए।**16घुड़सवार सैनिकों की संख्या दस हज़ार से दोगुनी थी। मैंने उनकी संख्या सुनी।

17मैंने अपने दर्शन में जो घोड़े और सवार देखे, वे इस प्रकार थे: उनके कवच आग जैसे लाल, गहरे नीले और गंधक जैसे पीले थे। घोड़ों के सिर सिंहों के सिर जैसे थे, और उनके मुँह से आग, धुआँ और गंधक निकल रहे थे।18**उनके मुख से निकलने वाली तीन विपत्तियों - आग, धुआँ और गंधक - के कारण एक तिहाई मानवजाति मारी गयी।**19घोड़ों की शक्ति उनके मुंह और पूंछ में थी; क्योंकि उनकी पूंछ सांपों की तरह थी, जिनके सिर थे और जिनसे वे चोट पहुंचाते थे।

20शेष मानवजाति जो इन महामारियों से नहीं मरी थी, उन्होंने फिर भी अपने हाथों के कामों से पश्चाताप नहीं किया; उन्होंने दुष्टात्माओं, और सोने, चांदी, कांसे, पत्थर और लकड़ी की मूर्तियों की पूजा करना बंद नहीं किया–ऐसी मूर्तियाँ जो देख या सुन या चल नहीं सकतीं।21न ही उन्होंने अपनी हत्याओं, अपनी जादू-टोना, अपनी यौन अनैतिकता या अपनी चोरियों के लिए पश्चाताप किया।

विश्वासी और अविश्वासी दोनों ही उस दिन का अनुभव करेंगे (उस दिन से पहले कोई स्वर्गारोहण नहीं है!)

मत्ती 13:30(यीशु बोल रहे हैं) दोनों (विश्वासी और अविश्वासी) को कटनी तक साथ-साथ बढ़ने दो।

तब मैं कटनी करने वालों से कहूँगा: पहले जंगली पौधों को इकट्ठा करो और उन्हें जलाने के लिए गट्ठरों में बाँध दो; फिर गेहूँ इकट्ठा करो और उसे मेरे खलिहान में ले आओ। (लेकिन याद रखो, विश्वासियों पर निशान और मुहर लगी होती है, इसलिए वे सुरक्षित हैं।)

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

यह विश्वासियों के लिए मुक्ति और पुरस्कार का दिन है

लूका 21:26-28(यीशु अपने अनुयायियों से बात करते हुए)
…[26]भय के कारण और पृथ्वी पर आनेवाली घटनाओं की बाट जोहते हुए लोगों के हृदय घुटने लगेंगे, क्योंकि आकाश की शक्तियां हिलाई जाएंगी।[27]तब वे मनुष्य के पुत्र को सामर्थ्य और बड़ी महिमा के साथ बादल पर आते देखेंगे।[28]**अब जब ये बातें घटित होने लगें, तो ऊपर की ओर देखना और अपने सिर ऊपर उठाना, क्योंकि तुम्हारा छुटकारा निकट आ गया है।**

प्रकाशितवाक्य 22:12और देखो, मैं शीघ्र ही आ रहा हूँ, और**मेरा इनाम मेरे पास है**, हर एक को उसके काम के अनुसार देने के लिए।[13]मैं अल्फा और ओमेगा हूँ, आरंभ और अंत, प्रथम और अंतिम हूँ।

विश्वासी बादलों में उठाए जाएँगे ताकि हवा में प्रभु से मिल सकें

1 थिस्सलुनीकियों 4:16-17
विश्वासी प्रभु से मिलने के लिए हवा में उठा लिए जाएँगे[16]क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय बड़ी आज्ञा, और प्रधान स्वर्गदूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे।[17]उसके बाद, हम जो अभी जीवित हैं (ML: जो क्लेश से बच गए हैं) और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे ताकि हवा में प्रभु से मिलें। और इस तरह हम हमेशा के लिए प्रभु के साथ रहेंगे।

1 कुरिन्थियों 15:50-53 विश्वासियों को एक नया आत्मिक शरीर मिलेगाअब हे भाइयों, मैं यह कहता हूं, कि मांस और लोहू परमेश्वर के राज्य के अधिकारी नहीं हो सकते, और न विनाश अविनाशी का अधिकारी हो सकता है।[51]देखो, मैं तुम से भेद की बात कहता हूं: हम सब तो नहीं सोएंगे,**लेकिन हम सब बदल जायेंगे–**[52]**और यह क्षण भर में, पलक मारते ही अन्तिम तुरही**

फूँकते ही होगा। क्योंकि तुरही फूँकी जाएगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे।[53]क्योंकि अवश्य है कि इस नाशमान देह को अविनाशी पहिन ले, और इस नश्वर देह को*अवश्य* अमरता धारण करो।

1 कुरिन्थियों 4:5 विश्वासियों को प्रभु से स्तुति मिलेगी

इसलिए, समय से पहले, निर्णय से पहले निर्णय न सुनाएँ।**भगवान** आएगा, कौन करेगा**अंधेरे में छिपी चीजों को प्रकाश में लाओ**और मन के मनसूबे खोल देगा। तब हर एक को उसकी प्रशंसा मिलेगी।**ईश्वर।**

यीशु कहाँ आयेंगे?

जकर्याह 14:1-5 यहोवा के पांव जैतून के पहाड़ पर रहेंगे...देखो, प्रभु का वह दिन आ रहा है, जब तुम्हारा लूटा हुआ माल तुम्हारे बीच में बाँट लिया जाएगा।**क्योंकि मैं यरूशलेम के विरुद्ध सब जातियों को युद्ध के लिये इकट्ठा करूंगा,**और **नगर पर कब्ज़ा कर लिया जाएगा, घरों को लूट लिया जाएगा और स्त्रियों के साथ बलात्कार किया जाएगा। नगर के आधे लोग बन्धुआई में चले जाएँगे, परन्तु शेष लोग नगर से अलग न किए जाएँगे।**

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

तब यहोवा निकलकर उन जातियों से ऐसे लड़ेगा जैसे युद्ध के दिन लड़ता है। उस दिन उसके पाँव जैतून के पहाड़ पर पड़ेंगे जो यरूशलेम के सामने पूर्व में है, और जैतून का पहाड़ पूर्व से पश्चिम तक एक बहुत चौड़ी घाटी से दो भागों में बँट जाएगा, जिससे पहाड़ का एक भाग उत्तर की ओर और दूसरा आधा दक्षिण की ओर चला जाएगा। और तुम मेरे पहाड़ों की घाटी में भाग जाना, क्योंकि पहाड़ों की घाटी आज़ल तक पहुँचती है।और तुम वैसे ही भागोगे जैसे तुम यहूदा के राजा उज्जिय्याह के दिनों में भूकम्प से भागे थे।**तब यहोवा मेरा परमेश्वर आएगा, और उसके साथ सब पवित्र लोग आएंगे।**

यीशु किसके साथ आ रहा है?

मत्ती 25:31-46 अपने सभी स्वर्गदूतों के साथ

"जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा, और**उसके साथ सभी स्वर्गदूत**, तब वह अपने

महिमामय सिंहासन पर विराजमान होगा। उसके सामने सभी राष्ट्र इकट्ठे होंगे, और वह लोगों को एक-दूसरे से ऐसे अलग करेगा जैसे एक चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है। और वह भेड़ों को अपनी दाहिनी ओर और बकरियों को अपनी बाईं ओर रखेगा। तब राजा अपनी दाहिनी ओर वालों से कहेगा, 'हे मेरे पिता के धन्य लोगो, आओ, उस राज्य के अधिकारी हो जाओ जो जगत की उत्पत्ति से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है। ...(एमएल: बकरी राष्ट्र वे हैं जो भेड़ राष्ट्रों पर आक्रमण करते हैं। वे मसीह-विरोधी आत्मा रखते हैं।)

यशायाह 66:15-16 आग और उसके रथों (करूबों) से - बहुत से लोग मारे जाएँगे 15 क्योंकि देखो, यहोवा आग के साथ और अपने रथों के साथ बवण्डर के समान आएगा, कि वह अपने क्रोध को जलजलाहट के साथ और अपनी घुड़की को आग की लपटों के साथ प्रगट करे।

16 क्योंकि यहोवा सब प्राणियों से आग और तलवार के द्वारा मुकद्दमा लड़ेगा, और यहोवा के मारे हुए बहुत होंगे।

यहूदा 1:14-15 अपने पवित्र विश्वासियों के साथ
"देखो,**प्रभु अपने हजारों पवित्र लोगों के साथ सब पर न्याय करने के लिए आता है**और सब भक्तिहीनों को उन के अभक्ति के सब कामों के विषय में, जो उन्होंने भक्तिहीन होकर किए हैं, और उन सब कठोर बातों के विषय में जो भक्तिहीन पापियों ने उसके विरोध में कही हैं, दोषी ठहराए।"

पवित्र लोग कौन हैं?--> शहीद/(दो गवाह) - उन्होंने जानवर की पूजा नहीं की→प्रकाशितवाक्य 20:4 पढ़ें
प्रकाशितवाक्य 20:4मैंने सिंहासन देखे जिन पर वे बैठे थे जिन्हें न्याय करने का अधिकार दिया गया था। और मैंने उन लोगों की आत्माओं को भी देखा जिनके सिर यीशु के बारे में गवाही देने और परमेश्वर के वचन के कारण काटे गए थे। उन्होंने न तो उस पशु या उसकी मूर्ति की पूजा की थी और न ही अपने माथे या हाथों पर उसकी छाप ली थी। वे जीवित हो उठे और मसीह के साथ एक हज़ार वर्ष तक राज्य किया।

अविश्वासियों के लिए यह शोक और आतंक का दिन होगा

योएल 2:1-32, अंधकार और उदासी का दिन

सिय्योन में नरसिंगा फूँको, मेरे पवित्र पर्वत पर चेतावनी फूँको! देश के सब रहनेवाले काँप उठें!**क्योंकि प्रभु का दिन आ रहा है; वह निकट है, अंधकार और घोर अंधकार का दिन,**एक दिन**बादल और घना अँधेरा!**पहाड़ों पर कालेपन की तरह एक महान और शक्तिशाली लोग फैले हुए हैं; उनके**जैसा न तो पहले कभी हुआ था, और न ही उनके बाद सभी पीढ़ियों में कभी होगा।**

2 पतरस 3:10, हर काम उजागर हो जाएगा

परन्तु प्रभु का दिन चोर की नाईं आएगा, और तब आकाश जाता रहेगा। एक गर्जना होगी, और आकाशीय पिंड जलकर नष्ट हो जाएंगे, और पृथ्वी और **इस पर किये गये कार्य उजागर हो जायेंगे।**

मत्ती 24:30, हर कोई शोक मनाएगा

तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह स्वर्ग में दिखाई देगा, और तब परमेश्वर के सब गोत्रों के लोग भी स्वर्ग में दिखाई देंगे। पृथ्वी**विलाप**और वे मनुष्य के पुत्र को स्वर्ग के बादलों पर आते देखेंगे शक्ति और महान महिमा.

अविश्वासियों का क्या होगा?

प्रकाशितवाक्य 6:12-17 (6वां मुहर) - परमेश्वर का क्रोध उन पर पड़ेगा

12मैंने देखा कि उसने छठी मुहर खोली। एक बड़ा भूकंप आया। सूरज घूम गया बकरी के बालों से बने टाट की तरह काला, पूरा चाँद खून से लाल हो गया,13और यह आकाश के तारे धरती पर गिर पड़े, जैसे किसी तेज प्रहार से हिलाए जाने पर अंजीर के पेड़ से अंजीर गिरते हैं। हवा। 14आकाश पीछे हट गया जैसे कोई पुस्तक लपेटी जा रही हो, और हर पहाड़ और द्वीप को उसके स्थान से हटा दिया गया।15तब पृथ्वी के राजा, राजकुमार, सेनापति, अमीर, शक्तिशाली और बाकी सभी लोग, गुलाम और स्वतंत्र दोनों, गुफाओं में छिप गए और पहाड़ों की चट्टानों के बीच.16उन्होंने पहाड़ों और चट्टानों को पुकारा,"**गिरना हम पर और हमें सिंहासन पर बैठे हुए परमेश्वर के क्रोध से छिपा ले मेम्ने का!17क्योंकि उनके क्रोध का भयानक दिन आ गया है, और कौन टिक सकेगा? यह?"**

और क्या होगा?

प्रकाशितवाक्य अध्याय 16 में हम देखेंगे कि परमेश्वर के क्रोध के 7 कटोरे होंगे उंडेल दिया। हम बिंदु 2 के अंतर्गत इनकी विस्तृत समीक्षा करेंगे।

यशायाह 2:12 हर घमंडी को नीचा किया जाएगा

क्योंकि सेनाओं के यहोवा का दिन हर एक घमण्डी और अहंकारी और घमंडी पर आएगा; और वह नीचा किया जाएगा।

सपन्याह 3:8 परमेश्वर का क्रोध दुष्टों को भस्म कर देगा

"इसलिए, यहोवा की यह वाणी है, उस दिन की प्रतीक्षा करो जब मैं शिकार पकड़ने (हिंसा करने) के लिए उठूंगा। क्योंकि मैंने जाति-जाति और राज्य-राज्य को इकट्ठा करने और

उन पर मेरा क्रोध और मेरी सारी भड़कती हुई जलजलाहट भड़क उठेगी; क्योंकि मेरी जलन की आग से सारी पृथ्वी भस्म हो जाएगी।"

मलाकी 4:1 सब कुकर्मी लोग भूसा बन जाएंगे

क्योंकि देखो, वह दिन आ रहा है, जो भट्ठे के समान धधक रहा है, जब सब अभिमानी और सब कुकर्मी लोग भूसा बन जाएँगे। सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है, वह आने वाला दिन उन्हें ऐसा भस्म कर देगा कि उनका न तो पता चलेगा और न ही डाली।

यशायाह 24:17-24 भय और न्याय

हे पृथ्वी के लोगों, भय, गड्ढा और जाल तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं।[18]जो कोई भय की ध्वनि सुनकर भागेगा वह गड़हे में गिरेगा; जो कोई गड़हे से निकलेगा वह फन्दे में फँसेगा।

आकाश के द्वार खुल गए हैं, पृथ्वी की नींव हिल गई है।[19]पृथ्वी टूट गई है, पृथ्वी टुकड़े-टुकड़े हो गई है, पृथ्वी हिंसक रूप से हिल गई है।[20]पृथ्वी शराबी की तरह लड़खड़ाती है, वह हवा में झोपड़ी की तरह डोलती है;
उसके ऊपर विद्रोह का अपराध इतना भारी है कि वह गिर जाता है - फिर कभी नहीं उठता।

[21]**उस दिन में** यहोवा ऊपर आकाश में की शक्तियों को और नीचे पृथ्वी पर के राजाओं को दण्ड देगा।
[22]वे एक तहखाने में बंधे कैदियों की तरह एक साथ इकट्ठे किये जायेंगे;
उन्हें जेल में बंद कर दिया जाएगा और कई दिनों के बाद उन्हें सज़ा दी जाएगी।
[23]चाँद घबरा जाएगा, सूरज शर्मिंदा होगा;

क्योंकि सर्वशक्तिमान यहोवा सिय्योन पर्वत पर और यरूशलेम में राज्य करेगा,
और अपने पुरनियों के सामने–बड़ी महिमा के साथ।

2. परमेश्वर के न्याय के सात कटोरे

सभी अधर्मियों के विरुद्ध परमेश्वर का क्रोध सात कटोरों के न्याय के माध्यम से प्रकट होगा, जो तुरही न्याय के पूरा होने के बाद घटित होंगे। तब यीशु प्रकट होंगे और मसीह में मरे हुए पहले जी उठेंगे। इसलिए, विश्वासी संसार में मौजूद नहीं रहेंगे। ये सात कटोरियाँ ईश्वरीय न्याय के अंतिम उंडेले जाने का प्रतीक हैं, जो मानवता के विद्रोह और पाप के प्रति परमेश्वर की प्रतिक्रिया की गंभीरता को उजागर करते हैं।

प्रकाशितवाक्य 15: सात स्वर्गदूत सात विपत्तियों के साथ - विश्वासियों को हटा दिया गया है

मैंने स्वर्ग में एक और महान और अद्भुत चिन्ह देखा:**सात स्वर्गदूतों के साथ सात अंतिम विपत्तियाँ–अंतिम, क्योंकि उनके साथ परमेश्वर का क्रोध पूरा हो गया है**.[2]और मैंने देखा कि

ऐसा लग रहा था जैसे आग से चमकता हुआ कांच का समुद्र और समुद्र के किनारे खड़ा होकर,**वे जो पशु और उसकी मूरत पर, और उसके नाम के अंक पर विजयी हुए थे। वे परमेश्वर द्वारा दी गई वीणाएँ लिए हुए थे।**[3]**और परमेश्वर के सेवक मूसा और मेम्ने का गीत गाया:**

”हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, तेरे कार्य महान और अद्भुत हैं। हे राष्ट्रों के राजा, तेरे मार्ग न्यायपूर्ण और सत्य हैं।[4]हे प्रभु, कौन तुझ से न डरेगा और तेरे नाम की महिमा न करेगा? क्योंकि केवल तू ही पवित्र है। सब जातियाँ आकर तेरे साम्हने दण्डवत् करेंगी, क्योंकि तेरे धर्म के काम प्रगट हुए हैं।”

[5]इसके बाद मैंने दृष्टि की, और स्वर्ग में मन्दिर देखा, जो वाचा का तम्बू था, और वह खुला हुआ था।[6]**मंदिर से सात स्वर्गदूत सात विपत्तियाँ लेकर निकले। उन्होंने साफ़, चमकदार मलमल के**

वस्त्र पहने थे और अपनी छाती पर सुनहरे पट्टियाँ बाँध रखी थीं।[7]तब चार प्राणियों में से एक ने उन सात स्वर्गदूतों को परमेश्वर के क्रोध से भरे हुए सात सोने के कटोरे दिए, जो युगानुयुग जीवते हैं।[8]और परमेश्वर की महिमा और उसकी सामर्थ के कारण मन्दिर धुएँ से भर गया, और जब तक उन सात स्वर्गदूतों की सात विपत्तियाँ पूरी न हो चुकीं, तब तक कोई मन्दिर में प्रवेश न कर सका।

सात कटोरे के निर्णय

प्रकाशितवाक्य 16

फिर मैंने मंदिर में से एक ऊँची आवाज़ सुनी जो सात स्वर्गदूतों से कह रही थी, "जाओ, परमेश्वर के प्रकोप के सात कटोरे पृथ्वी पर उंडेल दो।"

पहला कटोरा - बदसूरत घाव

[2]पहला स्वर्गदूत गया और उसने अपना कटोरा धरती पर उंडेल दिया, और जिन लोगों पर पशु की छाप थी और जो उसकी मूर्ति की पूजा करते थे, उन पर बदसूरत, सड़ते हुए फोड़े निकल आए। (ML: यही फोड़ों का दण्ड फ़िरौन के अधीन मिस्रियों पर उंडेला गया था, निर्गमन 9:8-12।)

दूसरा कटोरा - समुद्र खून में बदल जाता है

[3]दूसरे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा उस पर उंडेला**समुद्र, और यह खून में बदल गया**मानो कोई मरा हुआ आदमी हो, और समुद्र में रहने वाले सभी जीव मर गए।

3आरडीकटोरा - नदियाँ और झरने खून में बदल जाते हैं

[4]तीसरे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा उस पर उंडेला**नदियाँ और पानी के झरने, और वे खून बन गए**.[5]फिर मैंने जल के प्रभारी स्वर्गदूत को यह कहते सुना: "हे पवित्र, तू इन निर्णयों में न्यायी है, तू जो है और जो था;[6]के लिए **उन्होंने तेरे पवित्र लोगों और तेरे भविष्यद्वक्ताओं का खून बहाया है,**और आपने उन्हें खून दिया है
वे उतना ही पीते हैं जितना उनके लायक है।"[7]और मैंने वेदी को उत्तर देते हुए सुना: "हाँ, सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, आपके निर्णय सच्चे और उचित हैं।" (एमएल: यही निर्णय पहली विपत्ति का हिस्सा था जो

(जैसा कि निर्गमन 7:14-25 में वर्णित है)

चौथा कटोरा - सूरज ने लोगों को आग से झुलसा दिया

[8]चौथे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा सूरज पर उंडेला, और सूरज ने लोगों को आग से झुलसा दिया। वे तीव्र गर्मी से झुलस गए और उन्होंने परमेश्वर के नाम को कोसा, जिसका इन विपत्तियों पर नियंत्रण था, लेकिन उन्होंने पश्चाताप करने और उसकी महिमा करने से इनकार कर दिया।

पाँचवाँ कटोरा - मसीह विरोधी का सिंहासन और उसका राज्य अंधकार में डूब गया

[10]द**पाँचवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा पशु के सिंहासन पर उंडेला,**और उसका राज्य था**अंधकार में डूब गया।**लोग पीड़ा में अपनी जीभ चबाने लगे[11] और अपनी पीड़ाओं और फोड़ों के कारण स्वर्ग के परमेश्वर को कोसा, परन्तु**उन्होंने पश्चाताप करने से इनकार कर दिया**उन्होंने जो किया था, उसके बारे में। (एमएल: यही निर्णय 9वें सत्र न्यायालय के निर्णय का हिस्सा था।[वां] (जैसा कि निर्गमन 10:21 में वर्णित है)

छठा कटोरा - फरात नदी सूख गई, राक्षसी आत्माएँ सर्वशक्तिमान परमेश्वर के महान दिन पर युद्ध के लिए दुनिया के राजाओं को इकट्ठा करती हैं

[12]छठे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा महानदी फरात पर उंडेला, और उसका पानी सूख गया ताकि पूर्व से आने वाले राजाओं के लिए रास्ता तैयार हो सके।[13]**फिर मैंने तीन अशुद्ध आत्माओं को देखा जो मेंढकों के समान थीं; वे अजगर के मुंह से, पशु के मुंह से, और झूठे भविष्यद्वक्ता के मुंह से निकलीं।**[14]**वे शैतानी आत्माएं हैं जो चिन्ह दिखाती हैं, और वे सारी दुनिया के राजाओं के पास जाती हैं, ताकि उन्हें सर्वशक्तिमान परमेश्वर के महान दिन की लड़ाई के लिए इकट्ठा करें।**[15]**"देख, मैं चोर के समान आता हूँ! धन्य वह है जो जागता रहता है और कपड़े पहने रहता है, कि नंगा न हो और उसका अनादर न हो।"**[16]तब उन्होंने राजाओं को उस स्थान पर इकट्ठा किया जो इब्रानी में है**बुलाया आर्मागेडन.**

सातवाँ कटोरा - भयंकर भूकंप, बेबीलोन नष्ट, शहर ढह गए, द्वीप भाग गए, भारी ओले गिरे

प्रकाशितवाक्य 16:17-21

[17]सातवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा हवा पर उंडेल दिया, और मन्दिर के सिंहासन में से एक ऊँची आवाज़ आई,**"यह किया जाता है!"** [18]तभी बिजली चमकने लगी, गड़गड़ाहट हुई, गड़गड़ाहट हुई और भयंकर भूकंप आया।**जब से मानव जाति पृथ्वी पर आई है, तब से ऐसा भूकंप कभी नहीं आया,**

यह भूकंप इतना भयानक था।[19]बड़ा शहर तीन हिस्सों में बँट गया और राष्ट्रों के शहर ढह गए। परमेश्वर ने बड़े बाबुल को याद किया और उसे अपने क्रोध की जलजलाहट की मदिरा से भरा प्याला दिया।[20]हर द्वीप भाग गया और पहाड़ नहीं मिले।[21]आकाश से बड़े-बड़े ओले, जिनका भार लगभग सौ पौंड था, लोगों पर गिरे। और उन्होंने ओलों की विपत्ति के कारण परमेश्वर को कोसा, क्योंकि विपत्ति इतनी भयंकर थी।(एमएल: मूसा के समय में मिस्र में भी ओलावृष्टि न्याय हुआ था, देखें निर्गमन 9:13-35)।

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

3. आर्मागेडन की लड़ाई

6वां बाउल जजमेंट आर्मागेडन की लड़ाई का परिचय देता है। आर्मागेडन की लड़ाई क्या है?

प्रकाशितवाक्य 19:11-21यीशु मसीह विरोधी, झूठे भविष्यद्वक्ता और पृथ्वी के राजाओं का नाश करता है

[11] फिर मैंने स्वर्ग को खुला देखा, और देखो, एक सफेद घोड़ा था। और जो उस पर बैठा था, उसका नाम था**विश्वासयोग्य और सच्चा**, और में**धार्मिकता**वह **न्यायाधीशों**और **युद्ध करता है**.[12]उसकी आँखें आग की ज्वाला के समान थीं, और उसके सिर पर बहुत से मुकुट थे। उस पर एक नाम लिखा था जिसे उसके सिवा कोई नहीं जानता था।[13]उसे खून में डूबा हुआ वस्त्र पहनाया गया था, और उसका नाम कहा जाता है**दैवीय कथन**.[14]और स्वर्ग की सेनाएँ, श्वेत और स्वच्छ मलमल के वस्त्र पहने हुए, श्वेत घोड़ों पर सवार होकर उसके पीछे-पीछे चलीं।[15]अब उसके मुख से एक तेज़ तलवार निकलती है, जिससे वह राष्ट्रों पर प्रहार करे। और वह स्वयं लोहे की छड़ से उन पर शासन करेगा। वह स्वयं सर्वशक्तिमान परमेश्वर के प्रचंड प्रकोप और क्रोध की मदिरा के कुंड में दाख रौंदेगा।[16]और उसके वस्त्र और जांघ पर एक नाम लिखा है:

राजाओं का राजा और
लॉर्ड ऑफ़ लार्ड्स।

मसीह विरोधी (जानवर) और उसकी सेनाएँ पराजित

[17]फिर मैंने एक स्वर्गदूत को सूर्य पर खड़े देखा; और उसने ऊंचे शब्द से पुकारकर आकाश के बीच में उड़ने वाले सब पक्षियों से कहा, "आओ, महान परमेश्वर के भोज के लिये इकट्ठे हो जाओ,[18]ताकि तुम राजाओं का मांस, सेनापतियों का मांस, वीरों का मांस, घोड़ों और उनके सवारों का मांस, और सब

प्रकार के प्राणियों का मांस खा सको। *लोग,* स्वतंत्र और गुलाम, छोटे और बड़े दोनों।

[19]फिर मैंने उस पशु और पृथ्वी के राजाओं और उनकी सेनाओं को उस घोड़े के सवार और उसकी सेना से युद्ध करने के लिये इकट्ठे होते देखा।[20]**तब वह पशु पकड़ा गया, और उसके साथ वह झूठा भविष्यद्वक्ता भी पकड़ा गया, जो उसके साम्हने चिन्ह दिखाकर उन लोगों को भरमाता था जिन पर उस पशु की छाप थी, और जो उसकी मूरत की पूजा करते थे। ये दोनों जीवित ही गन्धक से जलती हुई आग की झील में डाल दिए गए।**[21]और बाकी लोग उस घोड़े के सवार के मुँह से निकलती हुई तलवार से मार डाले गए, और सब पक्षी उनके मांस से तृप्त हो गए।

आर्मागेडन का युद्ध कहाँ होगा?

कुछ लोग मानते हैं कि, हिब्रू शब्द हर-मगिद्दो के नाम के कारण, यह युद्ध इस्राएल के उत्तर-पश्चिम में स्थित मगिद्दो पर्वत पर होगा। यह अतीत का एक लोकप्रिय युद्धक्षेत्र था (2 इतिहास 35:22 राजा योशिय्याह बनाम फिरौन, 1 शमूएल 31:18 शाऊल बनाम पलिश्तियों, आदि)।

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

हम विश्वास करते हैं कि यीशु न्याय करेगा**यहोशापात की घाटी।यहोशापात का अर्थ है "यहोवा ने न्याय किया है"।**इसे किद्रोन घाटी के नाम से भी जाना जाता है, जो यरूशलेम और जैतून पर्वत के बीच स्थित है।

योएल 3:12-16 इसकी पुष्टि करता है:

[12]"राष्ट्रों के लोग जाग उठें; वे यहोशापात की घाटी में आगे बढ़ें, क्योंकि**वहाँ मैं चारों ओर के सभी राष्ट्रों का न्याय करने के लिए बैठूँगा**.

[13]हँसिया चलाओ, क्योंकि फ़सल पक चुकी है। आओ, अंगूरों को रौंदो, क्योंकि रसकुण्ड भर गया है और रसकुण्ड उमड़ रहे हैं–उनकी दुष्टता कितनी बड़ी है!"

[14]निर्णय की घाटी में भीड़, भीड़!

के लिए**प्रभु का दिन**निर्णय की घाटी के निकट है।

[15]सूर्य और चंद्रमा अंधकारमय हो जायेंगे, और तारे चमकना बंद हो जायेंगे।[16]यहोवा सिय्योन से गरजेगा और यरूशलेम से गरजेगा; पृथ्वी और आकाश कांप उठेंगे।**परन्तु यहोवा अपनी प्रजा के**

लिये शरणस्थान ठहरेगा,

इस्राएल के लोगों के लिए एक गढ़।

शैतान 1000 वर्षों के लिए बंधा रहेगा - शहीद यीशु के साथ एक हजार वर्षों तक शासन करेंगे

प्रकाशितवाक्य 20:1-4

फिर मैंने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा, जिसके हाथ में अथाह कुंड की कुंजी और एक बड़ी ज़ंजीर थी। और**उसने अजगर को पकड़ लिया,**उस पुराने साँप को, जो इब्लीस और शैतान है, हजार वर्ष के लिये बान्धकर गड़हे में डाल दिया, और उसे बन्द करके उस पर मुहर कर दी, कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए।

उसके बाद उसे थोड़ी देर के लिए रिहा कर दिया जाएगा। फिर मैंने सिंहासन देखे, और**उन पर वे लोग बैठे थे जिन्हें न्याय करने का अधिकार सौंपा गया था**. इसके अलावा, मैंने उन लोगों की आत्माओं को भी देखा, जिनके सिर यीशु की गवाही और परमेश्वर के वचन के कारण काटे गए थे, और जिन्होंने पशु या उसकी मूर्ति की पूजा नहीं की थी और अपने माथे या हाथों पर उसका निशान नहीं लिया था।**वे जीवित हुए और मसीह के साथ एक हज़ार वर्ष तक राज्य करते रहे। शेष मरे हुए लोग हज़ार वर्ष पूरे होने तक जीवित नहीं हुए। यह पहला पुनरुत्थान है। ...**

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

4. यीशु का 1000 साल का शासन

यीशु 1000 वर्षों तक राष्ट्रों के बीच न्याय करेगा: यह शांति का समय होगा, एक धन्य समय होगा, और सभी राष्ट्र प्रभु के घर के पर्वत पर चलेंगे यशायाह 2:2-4और मीका 4:3

अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि यहोवा के भवन का पर्वत सब पहाड़ों पर दृढ़ किया जाएगा, और

सब पहाड़ियों से अधिक ऊंचा किया जाएगा; और सब**राष्ट्र उसकी ओर बहेंगे**और बहुत से देशों के लोग आएंगे, और कहेंगे: "आओ, हम यहोवा के पर्वत पर चढ़ें, याकूब के परमेश्वर के भवन में जाएं, तब वह हमको अपने मार्ग सिखाएगा, और हम उसके पथों पर चलेंगे।"**क्योंकि यहोवा की व्यवस्था सिय्योन से, और उसका वचन यरूशलेम से निकलेगा। वह जाति जाति का न्याय करेगा, और देश देश के लोगों के मुकद्दमों का निपटारा करेगा;**वे अपनी तलवारें पीटकर हल के फाल और अपने भालों को हँसिया बनाएँगे; तब एक जाति दूसरी जाति के विरुद्ध फिर तलवार न चलाएगी, और लोग भविष्य में युद्ध विद्या न सीखेंगे।

अपनी तलवारों को पीटकर हल के फाल (मिट्टी जोतने का एक उपकरण) बनाओ=**सैन्य हथियारों या प्रौद्योगिकियों को शांतिपूर्ण नागरिक अनुप्रयोगों के लिए परिवर्तित किया जाता है**.

जकर्याह 8:1-6 यीशु विश्वासयोग्य यरूशलेम के बीच वास करेगा

सेनाओं के यहोवा का यह वचन आया, "सेनाओं का यहोवा यों कहता है: सिय्योन के लिये मुझे बड़ी जलन हुई है, वरन बड़ी जलजलाहट भी हुई है। यहोवा यों कहता है:**मैं सिय्योन में लौट आया हूँ और यरूशलेम के बीच में वास करूँगा, और यरूशलेम विश्वासयोग्य नगर कहलाएगा, और सेनाओं के यहोवा का पर्वत पवित्र पर्वत कहलाएगा।**सेनाओं का यहोवा यों कहता है: बूढ़े और बूढ़ी स्त्रियाँ फिर यरूशलेम की सड़कों पर बैठेंगी, और अपने अपने हाथ में लाठी लिये हुए होंगी, क्योंकि**महान युग।** और शहर की सड़कें खेलने वाले लड़कों और लड़कियों से भरी होंगी। ...

यशायाह 65:20-25 यह एक फलदायी और धन्य समय होगा

20"इसमें फिर कभी कुछ नहीं होगा
एक शिशु जो कुछ ही दिन जीवित रहता है,
या एक बूढ़ा आदमी जो अपनी उम्र पूरी नहीं कर पाया है;
जो सौ वर्ष की आयु में मरता है
उसे मात्र एक बच्चा समझा जाएगा;
वह जो सौ तक पहुँचने में असफल रहता है
अभिशप्त माना जाएगा.
21वे घर बनाकर उनमें बसेंगे;

वे दाख की बारियां लगाएंगे और उनका फल खाएंगे।
[22]अब वे घर नहीं बनाएंगे और न ही दूसरे लोग उनमें रहेंगे,

लेखक: मिरियम लीवेल

या पौधे लगाओ और दूसरे खाओ।
क्योंकि एक पेड़ के दिनों के समान,
मेरे लोगों के दिन भी वैसे ही होंगे;
मेरे चुने हुए लोग लंबे समय तक आनंद लेंगे
उनके हाथों का काम।
[23]वे व्यर्थ परिश्रम नहीं करेंगे,
न ही वे दुर्भाग्य के लिए अभिशप्त बच्चों को जन्म देंगे;
क्योंकि वे यहोवा के द्वारा आशीषित लोग होंगे,
वे और उनके वंशज।
[24]उनके पुकारने से पहले ही मैं उत्तर दूंगा;
जब वे बोल रहे होंगे तो मैं सुनूंगा।
[25]भेड़िया और मेमना एक साथ चरेंगे,
और सिंह बैल की नाईं भूसा खाएगा,
और मिट्टी सर्प का भोजन होगी।
वे न तो नुकसान पहुंचाएंगे और न ही नष्ट करेंगे
मेरे सारे पवित्र पर्वत पर,
प्रभु कहते हैं।

अतिरिक्त शास्त्र (सहस्राब्दी का वर्णन करते हुए):यीशु का शासनकाल

जकर्याह 14:9यहोवा सारी पृथ्वी पर राजा होगा। एक ही प्रभु है, और उसका नाम ही एकमात्र नाम है।

यिर्मयाह 23:5धर्मी राजा यीशु बुद्धिमानी से शासन करेगा।

संत मसीह के साथ राज्य करेंगे

1. कुरिन्थियों 6:2संत विश्व का न्याय करेंगे।

2. तीमुथियुस 2:12यदि हम धीरज धरेंगे तो हम भी यीशु के साथ राज्य करेंगे।

इज़राइल फलेगा-फूलेगा

यिर्मयाह 30:20इस्राएल की स्थापना और पुनर्स्थापना की जाएगी, और इस्राएल का विरोध करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दण्ड दिया जाएगा।

यशायाह 35:1जंगल और सूखी भूमि प्रसन्न होंगे और रेगिस्तान आनन्दित होकर खिल उठेगा।

यशायाह 55:13कंटीली झाड़ियों की जगह सनौबर उगेगा, और बिच्छू-झाड़ियों की जगह मेंहदी उगेगी। यह यहोवा की कीर्ति का एक चिरस्थायी चिन्ह होगा जो सदा तक बना रहेगा।**योएल 2:24-26**फसल की भरपूर पैदावार होगी। यह प्रतिफल का समय होगा। लोग परमेश्वर की स्तुति करेंगे।

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

5. शैतान रिहा - गोग और मागोग की लड़ाई

प्रकाशितवाक्य 20:7-15 शैतान गोग और मागोग को बहकाता है: वे सब नष्ट कर दिए जाएँगे और जब हज़ार साल पूरे हो जाएँगे, तो शैतान अपनी कैद से रिहा हो जाएगा और धोखा देने के लिए बाहर आना**पृथ्वी के चारों कोनों पर स्थित राष्ट्र**,**गोग औरमागोग,**उन्हें युद्ध के लिए इकट्ठा करने के लिए; उनकी संख्या**समुद्र की रेत**.

और वे पृथ्वी के विस्तृत मैदान पर चढ़ गए और छावनी को घेर लिया संतों और प्रिय शहर,**परन्तु स्वर्ग से आग उतरी और उन्हें भस्म कर दिया,** और **शैतान जिसने उन्हें धोखा दिया था उसे आग और गंधक की झील में फेंक दिया गया जहाँ पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता थे, और वे दिन-रात यातनाएँ सहते रहेंगे। हमेशा-हमेशा के लिए रात**फिर मैंने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उसको जो उस पर बैठा हुआ है, देखा। उसके सामने से पृथ्वी और आकाश भाग गए, और उनके लिये जगह न मिली। ...

गोग और मागोग कौन हैं?

भविष्यवक्ता यहेजकेल ने यहेजकेल 38-39 में इस आक्रमण का वर्णन किया है। आक्रमणकारी राष्ट्रों का यह गठबंधन इस्राएल को मिटाने की इच्छा से प्रेरित होगा।

यहेजकेल 38:1-3 गोग और मागोग का खुलासा करता है

यहोवा का वचन मेरे पास आया:[2]"हे मनुष्य के सन्तान, अपना मुख उस ओर कर,**मागोग देश का गोग, जो मेशेक और तूबल का प्रधान था;**उसके विरुद्ध भविष्यवाणी करो[3]और कहो: 'प्रभु यहोवा यों कहता है: हे मेशेक और तूबल के प्रधान गोग, मैं तेरे विरुद्ध हूँ।-→**अन्य अनुवादों में उन्हें रोश का राजकुमार, रूस का राजकुमार कहा गया है।**

Meshek and Tubal येपेत के पुत्र थे, जो नूह के तीन पुत्रों में से एक था और उसके साथ जलप्रलय से बच गया था (उत्पत्ति 10:1-2)। मेशेक क्षेत्र को अक्सर काला सागर के उत्तर में (दक्षिणी रूस और यूक्रेन और संभवतः जॉर्जिया गणराज्य) और तुबल को मध्य तुर्की के एक क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है।

मागोग:ये राष्ट्र प्राचीन सीथियन भूमि पर आधारित हैं, जो मध्य एशिया (आज का कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज़्बेकिस्तान) से लेकर आधुनिक रूस के दक्षिणी मैदानों तक फैले हुए थे। हमने प्रकाशितवाक्य 20:8 में सुना है... संख्या में वे समुद्र तट की रेत के समान हैं।

यहेजकेल 38:17-23 यहेजकेल ने भविष्यवाणी की कि यीशु गोग को न्यायदंड देगा[17]"'प्रभु यहोवा यों कहता है, तू वही है जिसके विषय में मैंने अपने दास इस्राएल के भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पूर्वकाल में कहा था। उस समय वे वर्षों तक यह भविष्यद्वाणी करते रहे कि मैं तुझ से उन पर चढ़ाई करूँगा।[18]उस दिन ऐसा होगा: जब गोग इस्राएल की भूमि पर आक्रमण करेगा, तब मेरा क्रोध भड़क उठेगा, परमेश्वर यहोवा की यही वाणी है।[19]मैं अपने जोश और क्रोध में घोषणा करता हूँ कि उस समय इस्राएल देश में एक बड़ा भूकंप आएगा।[20]समुद्र की मछलियाँ, आकाश के पक्षी, मैदान के पशु, जमीन पर चलने वाले हर प्राणी और पृथ्वी के सभी लोग काँप उठेंगे।

लेखक: मिरियम लीवेल

मेरी उपस्थिति। पहाड़ उलट जाएँगे, चट्टानें टूट जाएँगी और हर दीवार ज़मीन पर गिर जाएगी।[21]**मैं अपने सब पहाड़ों पर गोग के विरुद्ध तलवार चलाऊँगा, परमेश्वर यहोवा की यही वाणी है। हर एक मनुष्य की तलवार उसके भाई के विरुद्ध होगी।**[22]**मैं उस पर विपत्ति और रक्तपात से दण्ड दूंगा; मैं उस पर क्रोध बरसाऊंगा,**

उस पर, उसकी सेना पर, और उसके साथ की अनेक जातियों पर वर्षा, ओले और जलती हुई

गंधक की बौछार की जाएगी।[23]इस प्रकार मैं अपनी महानता और पवित्रता प्रकट करूँगा, और बहुत सी जातियों के सामने अपने को प्रगट करूँगा। तब वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ।'

यहेजकेल 39:1-5 उपरोक्त बात की पुष्टि करता है:
"हे मनुष्य के सन्तान, गोग के विरुद्ध भविष्यवाणी करके कह, 'प्रभु यहोवा यों कहता है: हे गोग, हे मेशेक और तूबल के प्रधान, मैं तेरे विरुद्ध हूँ।[2]मैं तुम्हें घुमाकर घसीटता हुआ ले आऊंगा, और सुदूर उत्तर से लाकर इस्राएल के पहाड़ों पर भेज दूंगा।[3]**तब मैं तेरे बाएं हाथ से धनुष खींचूंगा, और तेरे दाहिने हाथ से तीर छोड़ूंगा।**[4]**तू और तेरे सारे सैनिक और तेरे साथ की जातियाँ इस्राएल के पहाड़ों पर गिर पड़ेंगी। मैं तुझे सब प्रकार के मांसाहारी पक्षियों और वनपशुओं का आहार कर दूँगा।**[5]तुम खुले मैदान में गिरोगे, क्योंकि मैंने कहा है, प्रभु यहोवा की यह वाणी है।[6]मैं मागोग पर और समुद्रतट पर सुरक्षित रहने वालों पर आग भेजूँगा, और वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ।

यहेजकेल 39:21-29 हमें अन्त समय में इस्राएल के उद्धार को दिखाता है:[21]"मैं राष्ट्रों के बीच अपनी महिमा प्रदर्शित करूंगा, और सभी राष्ट्र मेरे द्वारा दिए गए दंड और मेरे हाथ को देखेंगे।[22]**उस दिन से इस्राएल के लोग जान लेंगे कि मैं यहोवा उनका परमेश्वर हूँ।**[23]और जाति-जाति के लोग जान लेंगे कि इस्राएली अपने पाप के कारण बंधुआई में गए थे, क्योंकि उन्होंने मेरे साथ विश्वासघात किया था। इसलिए मैंने उनसे अपना मुख छिपा लिया और उन्हें उनके शत्रुओं के हाथ में कर दिया, और वे सब तलवार से मारे गए।[24]मैं ने उनकी अशुद्धता और अपराधों के अनुसार उन से बर्ताव किया, और उन से अपना मुख छिपा लिया।

[25]"इसलिये प्रभु यहोवा यों कहता है: अब मैं याकूब के भाग्य को लौटा लाऊँगा, और इस्राएल के सारे घराने पर दया करूँगा, और अपने पवित्र नाम के लिये जल उठूँगा।[26]वे अपनी लज्जा और मेरे प्रति दिखाए गए सारे विश्वासघात को भूल जाएंगे, जब वे अपने देश में सुरक्षित रहते थे और उन्हें कोई नहीं डराता था।[27]जब मैं उन्हें अन्य जातियों के बीच से लौटा लाऊंगा, और उनके शत्रुओं के देशों से इकट्ठा करूंगा, तब बहुत सी जातियों के साम्हने मैं उनके द्वारा पवित्र ठहरूंगा।[28]तब वे जान लेंगे कि मैं यहोवा उनका परमेश्वर हूँ; क्योंकि यद्यपि मैंने उन्हें अन्यजातियों में बंधुआ बनाकर भेजा था, तौभी मैं उन्हें उनके निज देश में इकट्ठा करूँगा, और किसी को भी पीछे न छोड़ूँगा।[29]मैं उनसे अपना मुख फिर न छिपाऊंगा, क्योंकि मैं इस्राएल के लोगों पर अपना आत्मा उंडेलूंगा, परमेश्वर यहोवा की यही वाणी है।"

लेखक: मिरियम लीवेल

6. महान श्वेत सिंहासन न्याय

प्रकाशितवाक्य 11:18 अविश्वासी मरे हुओं का न्याय किया जाएगा
राष्ट्रों ने क्रोध किया, परन्तु तेरा क्रोध आया, और समय आ गया**मृतकों का न्याय किया जाना,**और तेरे सेवकों, भविष्यद्वक्ताओं और पवित्र लोगों, और तेरे नाम के डरवैयों को, चाहे छोटे हों या बड़े, प्रतिफल देने के लिये**पृथ्वी के विध्वंसकों को नष्ट करने के लिए।**

दानिय्येल 7:9-10 प्राचीन लोग न्यायालय में बैठते हैं, और पुस्तकें खोली जाती हैं"मैं देखते ही देखते सिंहासन रख दिए गए, और अति प्राचीन अपना आसन ग्रहण कर चुका था; उसके वस्त्र हिम के समान श्वेत और सिर के बाल शुद्ध ऊन के समान थे; उसका सिंहासन अग्नि की लपटों के समान था; उसके पहिये अग्नि से दहक रहे थे। उसके सम्मुख से अग्नि की धारा निकलकर निकल रही थी; हज़ारों हज़ार लोग उसकी सेवा कर रहे थे, और लाखों लाख लोग उसके सम्मुख खड़े थे;**अदालत में फैसला सुनाया गया और किताबें खोली गईं।**

प्रकाशितवाक्य 20:11-15 मरे हुओं का न्याय उनके कामों के अनुसार किया जाएगा[11] फिर मैंने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उस पर बैठे हुए को देखा, जिसके मुख से**पृथ्वी और आकाश भाग गए**और वहां उनके लिये कोई स्थान न मिला।[12]और मैंने देखा**मृत, छोटे और बड़े, परमेश्वर के सामने खड़े हैं,**और एक और किताब खोली गई, जो *पुस्तक* जीवन का. और**मृतकों का उनके कर्मों के अनुसार न्याय किया गया,**उन बातों से जो पुस्तकों में लिखी थीं।[13]समुद्र ने उन मरे हुओं को जो उसमें थे दे दिया, और मृत्यु और अधोलोक ने भी उन मरे हुओं को जो उनमें थे दे दिया। और हर एक के कामों के अनुसार उसका न्याय किया गया।[14]फिर मृत्यु और अधोलोक को आग की झील में डाल दिया गया। यह दूसरी मृत्यु है।[15]**और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाल दिया गया।**

2 थिस्सलुनीकियों 1:6-9 जो लोग सुसमाचार का पालन नहीं करते, वे परमेश्वर की उपस्थिति से बाहर कर दिए जाते हैं

[6]परमेश्वर न्यायी है: जो लोग तुम्हें कष्ट देते हैं, वह उन्हें कष्ट का बदला देगा[7]और तुम्हें जो क्लेश पाते हो, और हमें भी चैन देगा। यह तब होगा जब प्रभु यीशु अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा।[8]वह उन लोगों को दण्ड देगा जो परमेश्वर को नहीं जानते और हमारे प्रभु यीशु के सुसमाचार का पालन नहीं करते।[9]उन्हें अनन्त विनाश की सज़ा दी जाएगी और**प्रभु की उपस्थिति से और**
उसकी शक्ति की महिमा

लेखक: मिरियम लीवेल

www.rejoicecc.org 5/11/25

हम न्याय से कैसे बच सकते हैं?

यूहन्ना 5:24 यीशु ने कहा:मैं तुम से सच सच कहता हूँ, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है। उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।

विश्वासियों का न्याय संसार में रहते हुए किया जा रहा है
1 कुरिन्थियों 11:32परन्तु जब प्रभु हमारा न्याय करता है, तो हमें अनुशासित किया जाता है ताकि हम संसार के साथ दोषी न ठहरें।

1 कुरिन्थियों 11:31लेकिन अगर हम खुद का सही मूल्यांकन करें तो हमारा मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

7. नया स्वर्ग और नई पृथ्वी

वर्तमान स्वर्ग और पृथ्वी नष्ट हो जायेंगे

2 पतरस 3:7
परन्तु उसी वचन के द्वारा वर्तमान काल के आकाश और पृथ्वी इसलिये रखे गए हैं कि जलाए जाएं।तक रखा गया**न्याय का दिन और अधर्मियों का विनाश।**

नये स्वर्ग और पृथ्वी की भविष्यवाणी की गयी थी

यशायाह 65:17क्योंकि देखो,**मैं नया आकाश और नई पृथ्वी बनाता हूँ**, और पूर्व बातें याद नहीं रहेंगी या मन में नहीं आएंगी।

यशायाह 66:22 धर्मी लोग बचे रहेंगे

क्योंकि नया आकाश और नई पृथ्वी जो मैं बनाऊंगा, वह मेरे सम्मुख रहेंगे, परमेश्वर कहता है। हे यहोवा, तेरा वंश और तेरा नाम भी वैसा ही बना रहेगा।

2 पतरस 3:13 वहाँ धार्मिकता वास करेगी

लेकिन अपने वादे के अनुसार,**हम एक नये स्वर्ग और नयी पृथ्वी की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जहाँ धार्मिकता वास करेगी।**

जॉन को इसका एक स्वप्न आया:

रहस्योद्घाटन21:1-8

21फिर मैंने "नये स्वर्ग और नयी पृथ्वी" को देखा, क्योंकि पहला स्वर्ग और पहली पृथ्वी जाती रही थी, और**अब कोई समुद्र नहीं**.[2]मैंने पवित्र नगर, नये यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते देखा, जो अपने पति के लिए सुन्दर रूप से सजी हुई दुल्हन के समान थी।[3]फिर मैंने सिंहासन में से किसी को ऊँचे शब्द से यह कहते हुए सुना, "देखो! परमेश्वर का निवास इन लोगों के बीच में है, और वह उनके साथ डेरा करेगा। वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा।[4]वह हर चीज़ को मिटा देगा

उनकी आँखों से आँसू बहेंगे।**अब और मृत्यु नहीं**, या **शोक या रोना या दर्द**क्योंकि पुरानी बातें बीत चुकी हैं।

[5]जो सिंहासन पर बैठा था, उसने कहा, "मैं सब कुछ नया कर देता हूँ!" फिर उसने कहा, "इसे लिख लो, क्योंकि ये वचन विश्वसनीय और सत्य हैं।"

[6]उसने मुझसे कहा: "यह पूरा हो गया। मैं ही अल्फ़ा और ओमेगा हूँ, शुरुआत और अंत। प्यासे को मैं जीवन के जल के सोते से मुफ़्त पानी दूँगा।"[7]जो विजयी होंगे वे यह सब प्राप्त करेंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे बच्चे होंगे।[8]परन्तु कायर, अविश्वासी, नीच, हत्यारे, व्यभिचारी, टोना-

टोटका करनेवाले, मूर्तिपूजक और सब झूठे लोग जलती हुई गंधक की झील में डाल दिए जाएँगे। यह दूसरी मृत्यु है।"

प्रकाशितवाक्य 21:8-अंत और 22:1-5हमारे भावी घर और नये यरूशलेम (मेमने की दुल्हन) का विस्तृत वर्णन जारी रखने के लिए: इन शास्त्रों को स्वयं पढ़ें।

निष्कर्ष:

यीशु का दूसरा आगमन अविश्वासियों के लिए एक भयानक घटना है। विश्वासियों के लिए, यह आनंद का दिन है! हम, अंतिम समय की कलीसिया, प्रभु में एक शक्तिशाली समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं, और हमें मसीह-विरोधी व्यवस्था के उदय होने पर मृत्यु तक वफ़ादार रहने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

यीशु हमेशा विजयी है, क्योंकि हम इस तथ्य पर भरोसा रखते हैं, हम उसके अनन्त राज्य में महिमामय अनन्तकाल की आशा करते हैं।
जो लोग झूठ का अनुसरण करते हैं, उन्हें शैतान, मसीह-विरोधी, झूठे भविष्यद्वक्ता और सभी दुष्टों के साथ अनंत यातना का सामना करना पड़ेगा। आइए हम इस अंतिम घड़ी में वह कार्य करें जिसके लिए हमारे स्वर्गीय पिता हमें बुलाते हैं!

लेखक: मिरियम लीवेल